

मण्डावर (अलवर)

12-2-84 मायल पत्र दुई वाकीगण वा वकील वही कोर  
उपस्थित नही काल का-का काया के ललाशुई/ कोर उपस्थित  
नही। कब कबे लान के वाप वला दुकेई/ कबे कवा (कायान  
लायाई गई (कोर उपस्थित नही ना ही कोर प्रीक होल  
ही उपस्थित काल (का: वादी वहा के वाड की कोर कवा वही  
इही ललाशुई प वा कला हावरी कला मपे र वी म कायत  
की कागीई (काल दुकाई (काल के ककई/ काड  
कमी कला विला के ल मडाई (दुकाया राम)

अपखण्डाधिकारी  
मण्डावर (अलवर) राज०